



सत्यमेव जयते

संख्या १

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारो रिपोर्ट

बुधवार, तिथि १ सितम्बर, १९५४।

Vol. V

No. 1

**The  
Bihar Legislative Assembly  
Debates  
Official Report.**

*Wednesday, the 1st September, 1954.*

प्रचीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,  
पटना, द्वारा मुद्रित,  
१९५५।

[ मूल्य—६ आना । ]

[ Price—Annas 6. ]

## LOOT OF THREE BALES OF TOBACCO FROM RAILWAY TRAIN.

**561. Shri RAMANAND TEWARI :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that three bales of tobacco were taken away by criminals from 9-UP P.-G. goods, dated the 5th July, 1953 within the limits of Taregna Railway Station by stopping the train at the signal at 4-30 A. M. and the information of this theft was given to the local Police by Shri Atmanand Verma ; a public worker of Massaurhi when the Station Master (Shri Ramgulam Chaudhary), Taregna failed to take any steps even when he came to know about the commission of the offence ;

(b) if the answer to clause (a) be in the affirmative, what steps Government propose to take in the matter for recovery of the looted goods ?

**Dr. SHRI KRISHNA SINHA :** (a) and (b) Police enquiry, on the complaint by Shri Atmanand Verma, showed that three bales of tobacco were removed by criminals from 9-UP Patna-Gaya Train on 5th July, 1953 when the train was stopped at distant signal of Taregna Railway Station. The stolen goods were recovered from the house of the accused ; eight persons have been charge-sheeted.

The facts of the matter have been brought to the notice of the Railway authorities for such action as they may consider necessary about their own staff.

बक्सर सबडिवीजन में अपराधों की संख्या ।

५६२। श्री लक्ष्मी नारायण सिंह—क्या मुख्य-मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे

कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बक्सर सबडिवीजन में श्री एफ० अहमद, आई० पी० एस०, ए० एस० पी० की जगह पर श्री एस० के० राय, डी० एस० पी० कार्य कर रहे हैं ;

(ख) क्या यह बात सही है कि श्री एफ० अहमद के जमाने में (फाइम) अपराध की संख्या श्री एस० के० राय, डी० एस० पी० के समय से (फाइम) अपराध की संख्या से कम थी, और यह जो फाइम की संख्या बढ़ी है वह बक्सर इनके छुट्टी जाने तथा रात को गस्ती नहीं करने से है ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(क) श्री एस० के० राय बक्सर सबडिवीजन के प्रभारी १८

अगस्त, १९५३ से १५ जुलाई, १९५४ तक रहे ।

(ख) अपराधों का आंकड़ा देखने से पता चलता है कि सिर्फ सेंधमारी को छोड़कर श्री राय के कार्यकाल में श्री अहमद के कार्यकाल (१३ जुलाई १९५१ से ६ जुलाई १९५३) की तुलना में अपराधों में कोई खास वृद्धि नहीं हुई। श्री राय ने लगभग एक वर्ष के कार्यकाल में केवल चार बार आकस्मिक छुट्टी ली थी। यह बात सही नहीं है कि वह रात में गस्ती करने के लिये बाहर नहीं जाते थे ।